शिक्षण के साथ विद्यार्थियों को प्रेरित करना शिक्षक को बनाता है सम्पूर्णः डॉ. जे.सी. चौधरी

आकाश इंस्टीट्यूट के चेयरमैन डॉ. जे.सी. चौधरी मेवाड़ विश्वविद्यालय में

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। पढ़ाने के साथ-साथ विद्यार्थियों को प्रेरित करने वाला सम्पूर्ण शिक्षक होता है। शिक्षक विद्यार्थियों में न केवल विषय कौशल प्रदान करता है बल्कि उनमें एक महान इंसान बनने की प्रेरणा भी भरता है। इस तरह से शिक्षक एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। उक्त विचार शनिवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में आकाश इंस्टीट्यूट के प्रबन्ध निदेशक जे.सी. चौधरी बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त कर रहे थे। उन्होने कर्म आधारित जीवन शैली पर बल देते हुए कहा कि बिना किसी से ईर्ष्या किए हमें सदैव ईमानदारी के साथ काम करते रहना चाहिए। जीवन में यदि किसी ने बिना किसी का बुरा सोचे कार्य करने की भावना रखी तो उसे सफल होने से कोई रोक नहीं सकता। अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि हमेशा ईश्वर पर विश्वास रखें। यह आपको जीवन में कभी गिरने नहीं देगा। जीवन में कितनी भी कठिनाईयां क्यों न हो, आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति आपको आपका मुकाम अवय ही दिलाएगी। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ओोक कुमार गदिया ने डॉ. चौधरी के जीवन संघर्षों को याद करते हुए कहा कि डॉ. जे. सी. चौधरी ने हजारो-लाखों डॉक्टर्स और इंजिनियर्स को तैयार करके न केवल उन बच्चों का भविष्य बनाया बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी दूरदर्शी सोच ने आज उन्हें एक शिक्षक से लाखों युवाओं के बेहतर भविष्य का प्रेरणा पुंज बना दिया। उनकी आकाश जैसी ऊंची सोच ने आकाश इन्स्टीट्यूट को दुनिया में प्रसिद्ध कर दिया। डॉ. चौधरी भावी युवा उद्यमियों के लिये लिविंग लिजेण्ड का बेहतरीन उदाहरण हैं। स्वागत भाषण देते हुए कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने कहा कि डॉ. जे.सी. चौधरी जैसे प्रसिद्ध व्यक्तित्व प्रत्येक विद्यार्थी के लिये प्रेरणा के स्त्रोत है। यह हमारा सौभाग्य है कि डॉ. चैधरी ने मेवाड़ विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वन्दना, कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। अतिथि का स्वागत बुके एवं अंगवस्त्रं भेटकर किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. चौधरी के जीवन पर आधारित शॉर्टफिल्म का प्रदर्शन किया गया।

धन्यवाद ज्ञापन ओएसडी एच विधानी ने किया। कार्यक्रम के सांध्यकालीन सत्र में डॉ. चैधरी द्वारा मेवाड़ आर्ट गैलरी का उद्घाटन किया गया तथा मेवाड़ अभिव्यक्ति समूह द्वारा प्रो. चित्रलेखा सिंह के निर्दोन में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर समाज सेविका कमला गदिया, मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द लाल गदिया, राधा कृष्ण गदिया, सुनील गदिया, डॉ. अलका अग्रवाल, प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला, डायरेक्टर एकेडेमिक्स डी. के. शर्मा, डायरेक्टर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट हरीश गुरनानी, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री सहित समस्त प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिक्षण के साथ विद्यार्थियों को प्रेरित करना शिक्षक को बनाता है सम्पूर्णः डॉ. जे.सी. चौधरी

आकाश इंस्टीट्यूट के चेयरमैन डॉ. जे.सी. चौधरी मेवाड़ विश्वविद्यालय में

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ पढ़ाने के साथ-साथ विद्यार्थियों को प्रेरित करने वाला सम्पूर्ण शिक्षक होता है। शिक्षक विद्यार्थियों में न केवल विषय कौशल प्रदान करता है बल्कि उनमें एक महान इंसान बनने की प्रेरणा भी भरता है। इस तरह से शिक्षक एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। उक्त विचार शनिवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में आकाश इंस्टीट्यूट के प्रबन्ध निदेशक जे.सी. चौधरी बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त कर रहे थे। उन्होने कर्म आधारित जीवन शैली पर बल देते हुए कहा कि बिना किसी से ईर्ष्या किए हमें सदैव ईमानदारी के साथ काम करते रहना चाहिए। जीवन में यदि किसी ने बिना किसी का बुरा सोचे कार्य करने की भावना रखी तो उसे सफल होने से कोई रोक नहीं सकता। अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि हमेशा ईश्वर पर विश्वास रखें। यह आपको जीवन में कभी गिरने नहीं देगा। जीवन में कितनी भी कठिनाईयां क्यों न हो, आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति आपको आपका मुकाम अवश्य ही दिलाएगी। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने डॉ. चौधरी के जीवन संघर्षों को याद करते हुए कहा कि डॉ. जे. सी. चौधरी ने हजारों-लाखों डॉक्टर्स और इंजिनियर्स को तैयार करके न केवल उन बच्चों का भविष्य बनाया बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी दूरदर्शी सोच ने आज उन्हें एक शिक्षक से लाखों युवाओं के बेहतर भविष्य का प्रेरणा पुंज बना दिया। उनकी आकाश जैसी ऊंची सोच ने आकाश इन्स्टीट्यूट को दुनिया में प्रसिद्ध कर दिया। डॉ. चौधरी भावी युवा उद्यमियों के लिये लिविंग लिजेण्ड का बेहतरीन उदाहरण हैं। स्वागत भाषण देते हुए कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने कहा कि डॉ. जे.सी. चौधरी जैसे प्रसिद्ध व्यक्तित्व प्रत्येक विद्यार्थी के लिये प्रेरणा के स्त्रोत है। यह हमारा सौभाग्य है कि डॉ. चौधरी ने मेवाड़ विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वन्दना, कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। अतिथि का स्वागत बुके एवं अंगवस्त्र भेंटकर किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. चौधरी के जीवन पर आधारित शॉर्टफिल्म का प्रदर्शन किया गया। धन्यवाद ज्ञापन ओएसडी एच बिधानी ने किया। कार्यक्रम के सांध्यकालीन सत्र में डॉ. चौधरी द्वारा मेवाड़ आर्ट गैलरी का उद्घाटन किया गया तथा मेवाड़ अभिव्यक्ति समूह द्वारा प्रो. चित्रलेखा सिंह के निर्देशन में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर समाज सेविका कमला गदिया, मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द लाल गदिया, राधा कृष्ण गदिया, सुनील गदिया, डॉ. अलका अग्रवाल, प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला, डायरेक्टर एकेडेमिक्स डी. के. शर्मा, डायरेक्टर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट हरीश गुरनानी, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री सहित समस्त प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिक्षक की समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका

गंगरार, 17 दिसम्बर (जसं.) । पढ़ाने के साथ-साथ विद्यार्थियों को प्रेरित करने वाला सम्पूर्ण शिक्षक होता है। शिक्षक विद्यार्थियों में न केवल विषय कौशल प्रदान करता है बल्कि उनमें एक महान इंसान बनने की प्रेरणा भी भरता है। इस तरह से शिक्षक एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में शनिवार को आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि आकाश इंस्टीट्यूट के प्रबन्ध निदेशक जेसी चौधरी ने कर्म आधारित जीवन शैली पर बल देते हुए कहा कि बिना किसी से ईर्ष्या किए हमें सदैव ईमानदारी के साथ काम करते रहना चाहिए। जीवन में यदि किसी ने बिना किसी का बुरा सोचे कार्य करने की भावना रखी तो उसे सफल होने से कोई रोक नहीं सकता। अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि हमेशा ईश्वर पर विश्वास रखें। यह आपको जीवन में कभी गिरने नहीं देगा। जीवन में कितनी भी कठिनाईयां क्यों न हो, आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति आपको आपका मुकाम अवश्य ही दिलाएगी।

मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने डॉ. चौधरी के जीवन संघर्षों को याद करते हुए कहा कि डॉ. चौधरी ने हजारो डॉक्टर्स और इंजिनियर्स को तैयार करके न केवल उन बच्चों का भविष्य बनाया बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी दूरदर्शी सोच ने आज उन्हें एक शिक्षक से लाखों युवाओं के बेहतर भविष्य का प्रेरणा पुंज बना दिया। उनकी आकाश जैसी ऊंची सोच ने आकाश इन्स्टीट्यूट को दुनिया में प्रसिद्ध कर दिया। डॉ. चौधरी भावी युवा उद्यमियों के लिये लिविंग लिजेण्ड का बेहतरीन उदाहरण हैं। स्वागत भाषण देते हुए कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने कहा कि डॉ. चौधरी जैसे प्रसिद्ध व्यक्तित्व प्रत्येक विद्यार्थी के लिये प्रेरणा के स्त्रोत है।

कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती वन्दना, कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। अतिथि का स्वागत बुके एवं अंगवस्त्र भेटकर किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. चौधरी के जीवन पर आधारित शॉर्ट फिल्म का प्रदर्शन किया गया। धन्यवाद ज्ञापन ओएसडी एच विधानी ने किया। कार्यक्रम के सांध्यकालीन सत्र में डॉ. चौधरी द्वारा मेवाड़ आर्ट गैलरी का उद्घाटन किया गया तथा मेवाड़ अभिव्यक्ति समूह द्वारा प्रो. चित्रलेखा सिंह के निर्देशन में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस अवसर पर समाज सेविका कमला गदिया, मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द लाल गदिया, राधाकृष्ण गदिया, सुनील गदिया, डॉ. अलका अग्रवाल, प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला, डायरेक्टर एकेडेमिक्स डीके शर्मा, डायरेक्टर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट हरीश गुरनानी, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री सहित समस्त प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पढ़ाने के साथ-साथ विद्यार्थियों को प्रेरित करने वाला ही सम्पूर्ण शिक्षक

आकाश इंस्टीट्यूट के चेयरमैन डॉ. जे.सी. चौधरी मेवाड़ विश्वविद्यालय में

गंगरार। पढ़ाने के साथ-साथ विद्यार्थियों को प्रेरित करने वाला ही सम्पूर्ण शिक्षक होता है। शिक्षक विद्यार्थियों में न केवल विषय कौशल प्रदान करता है बल्कि उनमें एक महान इंसान बनने की प्रेरणा भी भरता है। यह विचार शनिवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में आकाश इंस्टीट्यूट के प्रबन्ध निदेशक जे.सी. चौधरी ने व्यक्त किए। उन्होंने कर्म आधारित जीवन शैली पर बल देते हुए कहा कि बिना किसी से ईर्ष्या किए हमें सदैव ईमानदारी के साथ काम करते रहना चाहिए। जीवन में यदि किसी ने बिना किसी का बुरा सोचे कार्य करने की भावना रखी तो उसे सफल होने से कोई रोक नहीं सकता। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने डॉ. चौधरी के जीवन संघर्षों को याद करते हुए कहा कि डॉ. जे. सी. चौधरी ने हजारो-लाखों डॉक्टर्स और इंजीनियर्स को तैयार करके न केवल उन बच्चों का भविष्य बनाया बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कहा कि डॉ. चौधरी ने मेवाड़ विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। इस मौके पर डॉ. चौधरी के जीवन पर आधारित शॉर्टफिल्म का प्रदर्शन किया गया। धन्यवाद ज्ञापन ओएसडी एच विधानी ने किया। कार्यक्रम के सांध्यकालीन सत्र में डॉ. चौधरी द्वारा मेवाड़ आर्ट गैलरी के एग्जिबिशन का उद्घाटन किया गया तथा मेवाड़ अभिव्यक्ति समूह द्वारा प्रो. चित्रलेखा सिंह के निर्देशन में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर समाज सेविका कमला गदिया, मेवाड़ एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द लाल गदिया, राधाकृष्ण गदिया, सुनील गदिया, डॉ. अलका अग्रवाल, प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला, डायरेक्टर एकेडेमिक्स डी. के. शर्मा, डायरेक्टर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट हरीश गुरनानी, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री आदि उपस्थित थे।

शिक्षण के साथ विद्यार्थियों को प्रेरित करना शिक्षक को बनाता है सम्पूर्ण : डॉ. चौधरी

अतिथि का सम्मान करते विश्वविद्यालय के पदाधिकारी।

चित्तौड़गढ़ (प्रातःकाल संवाददाता)। पढ़ाने के साथ-साथ विद्यार्थियों को प्रेरित करने वाला सम्पूर्ण शिक्षक होता है। शिक्षक विद्यार्थियों में न केवल विषय कौशल प्रदान करता है बल्कि उनमें एक महान इंसान बनने की प्रेरणा भी भरता है। इस तरह से शिक्षक एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। उक्त विचार शनिवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में आकाश इंस्टीट्यूट के प्रबन्ध निदेशक जे.सी. चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने डॉ. चौधरी के जीवन संघर्षों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने हजारों-लाखों डॉक्टर्स और इंजिनियर्स को तैयार करके न केवल उन बच्चों का भविष्य बनाया बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कहा कि डॉ. जे.सी. चौधरी जैसे प्रसिद्ध व्यक्तित्व प्रत्येक विद्यार्थी के लिये प्रेरणा के स्त्रोत है। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वन्दना, कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। अतिथि का स्वागत बुके एवं अंगवस्त्रं भेंटकर किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. चौधरी के जीवन पर आधारित शॉर्टफिल्म का प्रदर्शन किया गया। धन्यवाद ज्ञापन ओएसडी एच विधानी ने किया। कार्यक्रम के सांध्यकालीन सत्र में डॉ. चौधरी द्वारा मेवाड़ आर्ट गैलरी का उद्घाटन किया गया तथा मेवाड़ अभिव्यक्ति समूह द्वारा प्रो. चित्रलेखा सिंह के निर्देशन में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर कमला गदिया, मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द लाल गदिया, राधाकृष्ण गदिया, सुनील गदिया, डॉ. अलका अग्रवाल, प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ला, डायरेक्टर एकेडेमिक्स डी. के. शर्मा, डायरेक्टर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट हरीश गुरनानी, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री सहित समस्त प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय चेयर पर्सन एवं ...

मेवाड़ विश्वविद्यालय में हुआ विशेष आयोजन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

चित्तौड़गढ़. गंगरार। पढ़ाने के साथ-साथ विद्यार्थियों को प्रेरित करने वाला ही सम्पूर्ण शिक्षक होता है। शिक्षक विद्यार्थियों में न केवल विषय कौशल प्रदान करता है बल्कि उनमें एक महान इंसान बनने की प्रेरणा भी भरता है। इस तरह से शिक्षक एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

यह बात शनिवार को मेवाड़ विश्वविद्यालय में आकाश इंस्टीट्यूट के प्रबन्ध निदेशक जे.सी. चौधरी ने कही। उन्होंने कर्म आधारित जीवन शैली पर कहा कि बिना किसी से ईर्ष्या किए हमें सदैव ईमानदारी के साथ काम करते रहना चाहिए। जीवन में यदि किसी ने बिना किसी का बुरा सोचे कार्य करने की भावना रखी तो उसे सफल होने से कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि हमेशा ईश्वर पर विश्वास रखें। यह आपको जीवन में कभी गिरने नहीं देगा। जीवन में कितनी भी कठिनाइयां क्यों न हो, आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति आपको आपका मुकाम अवश्य ही दिलाएगी। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि डॉ. चौधरी ने हजारो-लाखों डॉक्टर्स और इंजीनियर्स को तैयार करके न केवल उनका भविष्य बनाया बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ. चौधरी भावी युवा उद्यमियों के लिये लिविंग लिजेण्ड का बेहतरीन उदाहरण हैं। कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने कहा कि डॉ. जे.सी. चौधरी जैसे प्रसिद्ध व्यक्तित्व प्रत्येक विद्यार्थी के लिये प्रेरणा के स्त्रोत है। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वन्दना, कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। आभार ओएसडी एच विधानी ने जताया। कार्यक्रम के सांध्यकालीन सत्र में डॉ. चौधरी द्वारा मेवाड़ आर्ट गैलरी के एग्जिबिशन का उद्‌घाटन किया तथा मेवाड़ अभिव्यक्ति समूह द्वारा प्रो. चित्रलेखा सिंह के निर्देशन में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। इस अवसर पर कमला गदिया, मेवाड़ एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविन्द लाल गदिया, राधाकृष्ण गदिया, सुनील गदिया, डॉ. अलका अग्रवाल, प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल, डायरेक्टर एकेडेमिक्स डी. के. शर्मा, डायरेक्टर ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट हरीश गुरनानी, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री सहित समस्त प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।